New

# जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया(उ0प्र0)

## चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (सी0बी0सी0एस0) के अनुसार

## हिन्दुस्तानी संगीत (गायन)–पाठ्यक्रम

## एम0ए0 (संगीत गायन) द्वि–वर्षीय

पाठ्यक्रम विवरणिका

शैक्षणिक सत्र–2022–2023 से प्रभावी

# जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया (उ0प्र0)

## परास्नातक

## पाठ्यक्रम (2022–2023)

## हिन्दुस्तानी संगीत गायन

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया जनपद का गौरव है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर जी के नाम पर इस विश्वविद्यालय की स्थापना सन 2016 में हुई। विश्वविद्यालय और संबद्ध महाविद्यालय उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर है। विश्वविद्यालयीय गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन किया गया है। 'बलिया की विभूतियां' के नाम से बलिया के ख्यातिलब्ध व्यक्तियों का एक फोरम बनाया गया हैं जिसका उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना एवं विश्वविद्यालय के विकास में योगदान करना है।

## संगीत गायन–पाठ्यक्रम

## लक्ष्य एवं उद्देश्य

सहृदयता मानवता का प्रधान गुण है। मनुष्य जब अपने मन की तरंगित भावनाओं को लयबद्धकर प्रस्तुत करता है, तो जड़ भी तरंगित होने लगता है। आधुनिक शोधों से स्पष्ट हो गया है कि संगीत के द्वारा विभिन्न रोगों का भी उपचार किया जा रहा है। संगीत जीवन में बंधुत्व एवं सहचर्य को प्रस्तुत करता है। प्राचीन साहित्य को देखने से पता चलता है कि राजाओं के दरबार में संगीत का उचित मान होता था। संगीत में मेघ मल्हार एक ऐसा राग है, जिसमें बारिश लाने की शक्ति है।

# संगीत विषय की विशेषताएं–

प्रकृति की वे ध्वनियां जिन्होंने मनुष्य के मन–मस्तिष्क को स्पर्श कर उल्लसित किया, वही सभ्यता के विकास कें साथ संगीत का साधन बनीं। वर्तमान समय में भी संगीत एक ऐसा सशक्त माध्यम है, जो व्यक्ति की शारीरिक , मानसिक रोगों व व्याधियों से मुक्ति प्रदान करता है। संगीत की तीनों धाराएं (गायन, वादन व नृत्य) न केवल स्वर, ताल और लय की साधना है, बल्कि एक यौगिक क्रिया है। इससे शरीर, मन और प्राण तीनों शुद्ध होते हैं और उसमें चेतना जागृत होती हैं।

## पाठ्यक्रम की संरचना

| भाग | वर्ष | सेमेस्टर | |
|---|---|---|---|
| भाग–1 | प्रथम वर्ष | सेमेस्टर प्रथम | सेमेस्टर द्वितीय |
| भाग–2 | द्वितीय वर्ष | सेमेस्टर तृतीय | सेमेस्टर चतुर्थ |

- यह पाठ्यक्रम दो वर्ष एवं चार सेमेस्टर में विभाजित है।
- प्रथम प्रश्न पत्र संगीत के शास्त्र पक्ष से संबंधित होगा।
- द्वितीय प्रश्न पत्र संगीत के क्रियात्मक पक्ष से संबंधित होगा।
- तृतीय प्रश्न पत्र प्रायोगिक परीक्षा भाग–1 के अंतर्गत पाठ्यक्रम के रागों के प्रस्तुतिकरण से संबंधित होगा।
- चतुर्थ प्रश्न पत्र प्रायोगिक परीक्षा भाग–2 –रागों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष से संबंधित मौखिक ज्ञान से (viva) होगा।
- पंचम प्रश्न पत्र – मंच प्रदर्शन का होगा।
- षष्ठम प्रश्न पत्र परियोजना कार्य से संबंधित होगा।

# पाठ्यक्रम–परास्नातक

## सेमेस्टर–प्रथम

| S.No. | Paper | Name of paper | Course code | Teaching hours | Credit | Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | I paper | राग परिचय एवं सिद्धान्त | MUSM101 | 60 | 4 | 100 |
| 2 | II paper | ताल परिचय एवं पाश्चात्य संगीत का सामान्य अध्ययन | MUSM102 | 60 | 4 | 100 |
| 3 | III Paper | प्रायोगिक परीक्षा–राग प्रस्तुतिकरण | MUSM103 | 60 | 4 | 100 |
| 4 | IV Paper | प्रायोगिक परीक्षा–2(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान) | MUSM104 | 60 | 4 | 100 |
| 5 | V paper | मंच प्रदर्शन | MUSM105 | 120 | 4 | 100 |
| 6 | VI Paper | रिसर्च प्रोजेक्ट | MUSM106 | 120 | 4 | (To be evaluated at the end of 2nd Sem.) |
| 7 | One Minor Elective | | | 60 | 4/5 | 100 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | paper from other faculty in Ist or 2nd Semester | | | | | |
| | | | TOTAL | 540 | 28/29 | 600 |

# सेमेस्टर–द्वितीय

| S.No. | Paper | Name of paper | Course code | Teaching hours | Credit | Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | I paper | भारतीय सौन्दर्य शास्त्र | MUSM201 | 60 | 4 | 100 |
| 2 | II paper | भारतीय और पाश्चात्य संगीत सिद्धान्त | MUSM202 | 60 | 4 | 100 |
| 3 | III Paper | प्रायोगिक परीक्षा–1–राग प्रस्तुतिकरण | MUSM203 | 60 | 4 | 100 |
| 4 | IV Paper | प्रायोगिक परीक्षा–2(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान) | MUSM204 | 60 | 4 | 100 |
| 5 | V paper | मंच प्रदर्शन | MUSM205 | 120 | 4 | 100 |
| 6 | VI | रिसर्च प्रोजेक्ट | MUSM206 | 120 | 4 | Research |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Paper | | | | | project 1 Research project-2 in the Form of Dissertation 100 |
| | | | TOTAL | 480 | 24 | 600 |
| | | | Sub Grand Total | 1020 | 52/53 | 1200 |

# पाठ्यक्रम – परास्नातक (अंतिम वर्ष)

## सेमेस्टर–तृतीय

| S.No. | Paper | Name of paper | Course code | Teaching hours | Credit | Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | I paper | राग परिचय एवं सिद्धान्त | MUSM301 | 60 | 4 | 100 |
| 2 | II paper | ताल परिचय एवं सिद्धान्त | MUSM302 | 60 | 4 | 100 |
| 3 | III Paper | प्रायोगिक परीक्षा–1–राग प्रस्तुतिकरण | MUSM303 | 60 | 4 | 100 |
| 4 | IV Paper | प्रायोगिक परीक्षा–2(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान) | MUSM304 | 60 | 4 | 100 |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | V paper | मंच प्रदर्शन | MUSM305 | 120 | 4 | 100 |
| 6 | VI Paper | रिसर्च प्रोजेक्ट | MUSM306 | 120 | 4 | To be evaluated at the end of 4th Semester |
| | | | TOTAL | 480 | 24 | 500 |

# सेमेस्टर–चतुर्थ

| S.No. | Paper | Name of paper | Course code | Teaching hours | Credit | Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | I paper | शास्त्रीय संगीत का इतिहास | MUSM401 | 60 | 4 | 100 |
| 2 | II paper | घरानों का इतिहास | MUSM402 | 60 | 4 | 100 |
| 3 | III Paper | प्रायोगिक परीक्षा–1–राग प्रस्तुतिकरण | MUSM403 | 60 | 4 | 100 |
| 4 | IV Paper | प्रायोगिक परीक्षा–2(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान) | MUSM404 | 60 | 4 | 100 |
| 5 | V paper | मंच प्रदर्शन | MUSM405 | 120 | 4 | 100 |
| 6 | VI | रिसर्च प्रोजेक्ट | MUSM406 | 120 | 4 | Research |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | Paper | | | | | project 1 : Research project-2 in the Form of Dissertation 100 |
| | | | TOTAL | 480 | 24 | 600 |
| | | | Sub Grand Total of PG Prev. | 960 | 48/49 | 1100 |
| | | | Grand Total | 1980 | 100/101 | 2300 |

# परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

## विषय– हिन्दुस्तानी संगीत (गायन)

## प्रथम सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– राग परिचय एवं सिद्धान्त

प्रश्न पत्र कोड– MUSM101 अधिकतम अंक–100

## उद्देश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में दिए गए रागों का सम्पूर्ण परिचय एवं तुलनात्मक अध्ययन कराना।
2. स्वरलिपि लिखने का अभ्यास कराना।
3. विद्यार्थियों को हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के रागों, तालों एवं गायन शैलियों का परिचय एवं तुलनात्मक अध्ययन ज्ञात कराना।
4. पाठ्यक्रम में दिए गए महान संगीतकारों के योगदानों का अध्ययन।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | पाठ्यक्रम के सभी रागों का सम्पूर्ण परिचय, राग प्रकृति, रागों का तुलनात्मक अध्ययन | 16 |
| यूनिट–2 | निर्धारित रागों की बंदिशों को स्वरलिपि के माध्यम से लिखने का अभ्यास | 14 |
| यूनिट–3 | हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत के रागों तालों एवं गायन शैलियों का तुलनात्मक अध्ययन | 14 |
| यूनिट–4 | हदई हस्सू खां, उस्ताद अलाउद्दीन खां, पण्डित सामता प्रसाद (गुदई महाराज), पंडित रविशंकर का सांगीतिक योगदान | 16 |

# प्रथम सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– ताल परिचय एवं पाश्चात्य संगीत का सामान्य अध्ययन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM102 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के तालों का ज्ञान प्रदान करने के साथ साथ दुगुन, तिगुन और चौगुन के लयकारियों को लिखने का अभ्यास कराना।
2. पाश्चात्य संगीत का परिचय एवं स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन कराना।
3. विद्यार्थियों को पाश्चात्य संगीत के विविध स्वर सप्तक, लय एवं मात्राओं का ज्ञान कराना।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | गजकन्यार, रूद्रताल, पंचम सवारी, गणेशताल का पूर्ण परिचय | 16 |
| यूनिट–2 | पाठ्यक्रम में उल्लिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन इत्यादि लयकारी लिखने का अभ्यास | 14 |
| यूनिट–3 | पाश्चात्य संगीत का सामान्य अध्ययन पाश्चात्य संगीत की स्वरलिपि पद्धति | 14 |
| यूनिट–4 | पाश्चात्य संगीत के विविध स्वर सप्तक पाश्चात्य संगीत के लय तथा मात्रा | 16 |

# प्रथम सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–1 (राग प्रस्तुतिकरण)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM103 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के रागों का सम्पूर्ण परिचय, आलाप एवं तान का अभ्यास कराना।
2. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के रागों का ज्ञान प्रदान करने के साथ रागों को विलम्बित, द्रुत लय में आलाप और तान के साथ गाने का अभ्यास कराना।
3. दिए गए रागों के अंतर्गत ध्रुपद व धमार का अभ्यास कराना।
4. पाठ्यक्रम में दिए गए विभिन्न रागों एवं तालों में शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय रचनाओं का अभ्यास कराना।
5. पूर्व पाठ्यक्रम (बी0ए0) के रागों एवं तालों का पुनर्अभ्यास कराना।

विषयवस्तु–

| क्रम | शीर्षक | व्याख्यान अवधि |
|---|---|---|
| 1 | राग शुइ सारंग, राग जोग, राग श्यामक ल्याण, राग चन्द्र धौस में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल, आलाप तान सहित गाने का पूर्ण अभ्यास | |
| 2 | राग सूरमल्हार, राग गधमार सारंग, राग हेमंत, राग केदार का संक्षिप्त परिचय तथा आलाप तान के साथ गाने का अभ्यास | |
| 3 | उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार | |
| 4 | पूर्व के तालों के साथ ताल गतकम्पा एवं रूद्रताल की ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन सहित अभ्यास | |
| 5 | राग, खमाज, पीलू या भैरवी में उपशास्त्रीय रचनाएं | |
| 6 | बी0ए0 संगीत गायन के पाठ्यक्रम के रागों एवं तालों का ज्ञान | |

नोटः प्रायोगिक परीक्षा–1 प्रस्तुतिकरण से संबंधित है। विद्यार्थियों को गायन में दक्षता होनी चाहिए।

# प्रथम सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–2(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिकी)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM104 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

# प्रथम सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM105 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना जिससे उनके कौशल और आत्मविश्वास की अभिवृद्धि हो सके।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा।

# परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

# विषय–हिन्दुस्तानी संगीत गायन

# द्वितीय सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– भारतीय सौन्दर्य शास्त्र

प्रश्न पत्र कोड– MUSM201 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को संगीत के रस एवं सौन्दर्य के सिद्धान्त से परिवित कराना।
2. भारतीय संगीत में रस, भाव एवं छन्द का स्थान अवगत कराना।
3. .रस विनियोग एवं ताल के रसों का अध्ययन कराना।
4. विद्यार्थियों को ललित कलाओं का अन्तःसम्बन्ध बताना।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | .रस एवं रस के चार सिद्धान्त | 16 |
| यूनिट–2 | .राग और रस, भाव और रस | 14 |
| यूनिट–3 | .संगीत में रस का विनियोग, ललित कलाओं का अन्तः सम्बन्ध | 14 |
| यूनिट–4 | छंद, लय, ताल का रस से सांगीतिक सम्बन्ध | 16 |

# द्वितीय सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– भारतीय एवं पाश्चात्य संगीत सिद्धान्त

प्रश्न पत्र कोड– MUSM202 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में दिएगए ग्रन्थों का अध्ययन कराना।
2. प्रबन्ध व उनके प्रकारों के बारे में बताना।
3. पाश्चात्य रचनाएं हारमनी, मेलोडी, आटोनामी, हेटरोनामी आदि का वर्णन करना।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | .संगीत के तीन ग्रन्थों का सिद्धान्त | 16 |
| यूनिट–2 | .प्रबंध तथा उसके प्रकार | 14 |
| यूनिट–3 | हार्मनी, मेलोडी, आटोनामी, हेटरोनामी | 14 |
| यूनिट–4 | .संगीत के शास्त्रीय ग्रन्थों का अध्ययन<br>क. नारदीय शिक्षा<br>ख. संगीत समय सार<br>ग. संगीत दर्पण | 16 |

# द्वितीय सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–1 राग प्रस्तुतिकरण

प्रश्न पत्र कोड– MUSM203 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के रागों का ज्ञान प्रदान करने के साथ विलम्बित एवं द्रुत लय में गाने का पूर्ण अभ्यास कराना।

2. पाठ्यक्रम में दिए गए रागों का छोटा ख्याल, आलाप एवं तानों के साथ गाने का अभ्यास कराना।
3. पाठ्यक्रम के रागों एवं तालों में उपशास्त्रीय रचनाओं के साथ तालों को विभिन्न लयकारियों मे प्रस्तुत करने का अभ्यास कराना।
4. पूर्व पाठ्यक्रम (बी0ए0) के रागों एवं तालों का पुनर्अभ्यास।

| क्रमांक | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| 1 | .राग जोगकौस, राग मालकौंस, राग पूरिया का कलयाण, राग मारूविक्षग में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल आलाप, ताल सहित गाने का पूर्ण–अभ्यास | |
| 2 | .राग नट भैरव, राग मेघमल्हार, राग हेम कल्याण, राग मियांकी सारंग–आलाप तान राहित छोटे ख्याल का गाने का अभ्यास | |
| 3 | उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार | |
| 4 | .लक्ष्मी ताल एवं ब्रह्मताल का ठाह, दुगुन तिगुन, चौगुन सहित अभ्यास | |
| 5 | .राग काफी, या राग पहाडी में उप शास्त्रीय रचनाएं भजन | |
| 6 | .बी0ए0 पाठ्यक्रम के रागों व तालों का ज्ञान | |

नोटः प्रायोगिक परीक्षा–1 प्रस्तुतिकरण से संबंधित है। विद्यार्थियों को गायन में दक्षता होनी चाहिए।

# द्वितीय सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–2 रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान

प्रश्न पत्र कोड– MUSM204 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

# द्वितीय सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM205 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना जिससे उनके कौशल और आत्मविश्वास की अभिवृद्धि हो सके।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अगिवृद्धि कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा।

# परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

# विषय– हिन्दुस्तानी संगीत गायन

# तृतीय सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– राग परिचय एवं सिद्धान्त

प्रश्न पत्र कोड– MUSM301 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम में दिए गए रागों का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त कराना साथ ही समप्रकृतिक रागों के साथ तुलनात्मक अध्ययन कराना।
2. स्वरलिपि लिखने का अभ्यास कराना।
3. विद्यार्थियों कों क्ण्ठ साधना के नियम व संगीत में इसकी उपयोगिता को आत्मसात कराना।
4. पाठ्यक्रम में दिए गए संगीत कलाकारों के सांगीतिक योगदान की जानकारी प्रदान करना।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | पाठ्यक्रम के सभी रागों का सम्पूर्ण परिचय सबका तुलनात्मक अध्ययन | 16 |
| यूनिट–2 | निर्धारित रागों की बंदिशों को स्वरलिपि में लिखने का अभ्यास। | 14 |
| यूनिट–3 | .कण्ठ साधन (Voice culture) | 14 |
| यूनिट–4 | उस्ताद अब्दुल करीम खां, उस्ताद बडे गुलाम अली खां, उस्ताद अल्लादिया खां, पण्डित भीमसेन जोशी के जीवन परिचय एवं सांगीतिक योगदान की जानकारी | |

# तृतीय सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– ताल परिचय एवं सिद्धान्त

प्रश्न पत्र कोड– MUSM302 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के अंतर्गत दिए गए समस्त तालों का पूर्ण परिचय बताना।
2. ताल के दस प्राणों के साथ विभिन्न तालों के ठेके, दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ इत्यादि लयकारी लिखने का अभ्यास कराना।
3. विभिन्न प्रदेशों के लोक संगीत एवं लोक नृत्यों के बारे में बताना एवं अभ्यास कराना।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | अडाताल, मतताल, पंजाबीताल, पंचम सवारी ताल, लक्ष्मी ताल एवं शिखर तालों का पूर्ण परिचय | 16 |
| यूनिट–2 | पाठ्यक्रम में उल्लिखित तालों का ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड़ इत्यादि की लयकारी लिखने का अभ्यास | 14 |
| यूनिट–3 | विभिनन प्रदेशों का लोक संगीत एवं लोक नृत्य (उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, गुजरात एवं राजस्थान) | 14 |
| यूनिट–4 | ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन | 16 |

# तृतीय सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा भाग–1– राग प्रस्तुतिकरण

प्रश्न पत्र कोड– MUSM303 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के रागों का ज्ञान प्रदान करने के साथ साथ रागों को विलम्बित एवं द्रुत लय में आलाप व तान के साथ गाने का अभ्यास कराना।
2. विद्यार्थियों को ध्रुपद एवं धमार का अभ्यास कराना।
3. विद्यार्थियो को लय एवं विभिन्न लयकारियों जैसे दुगुन, तिगुन, चौगुन, आड इत्यादि का अभ्यास कराना।
4. विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के रागों में उपशास्त्रीय रचनाएं जैसे– ठुमरी, भजन आदि का अभ्यास कराना।
5. पूर्व वर्ष के रागों व तालों का पुनर्अभ्यास कराना।

**विषय वस्तु–**

| क्रमांक | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| 1 | .राग अहीर भैरव, राग वैरागी भैरव, विलास खानी तोड़ी, आभोगी का पूर्ण परिचय आलाप'–तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास। | |
| 2 | .राग भूचाल तोडी राग सिंदूरा, राग चारूकेशी, राग सूर मल्हार को आलाप एवं तान सहित किसी भी ताल में गाने का अभ्यास | |
| 3 | उपरोक्त किसी भी राग में ध्रुपद एवं धमार | |

| | | |
|---|---|---|
| 4 | ज्ततताल, दीपचंदी, लक्ष्मीताल एवं शिखर ताल में ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन तथा आड लयकारियों का अभ्यास। | |
| 5 | किन्हीं दो रागों में तरानों का अभ्यास | |
| 6 | .राग काफी, मिश्र खमाज या भैरवी में उप शास्त्रीय रचनाएं एवं भजन गाने का अभ्यास | |
| 7 | पूर्व–वर्ष के रागों व तालों का ज्ञान | |

नोटः प्रायोगिक परीक्षा–1 प्रस्तुतिकरण से संबंधित है। विद्यार्थियों को गायन में दक्षता होनी चाहिए।

# तृतीय सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा भाग–2–(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM304 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि कराना।
3. विद्यार्थियों के संगत कौशल में परिपूर्णता एवं वृद्धि कराना।
4. विद्यार्थियों में रागों की समझ तथा लय एवं लयकारियों की समझ विकसित कराना।
5. विद्यार्थियों को शास्त्रीय तथा उप शास्त्रीय गायन शैलियों से अवगत कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

# तृतीय सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM305 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान करना जिससे उनके कौशल और आत्मविश्वास की अभिवृद्धि हो सके।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि करने के साथ साथ उन्हें राग गायन में निपुण करना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा।

# परास्नातक उपाधि कार्यक्रम

# विषय– संगीत गायन

# चतुर्थ सेमेस्टर– प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक– शास्त्रीय संगीत का इतिहास

प्रश्न पत्र कोड– MUSM401 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को भारतीय सांगीतिक ग्रन्थों से परिचित कराने के साथ उनके महत्व को बताना।
2. विभिन्न प्रकार के शास्त्रीय तथा उपशास्त्रीय गायन शैलियों का अभ्यास कराना।

3. भारतीय संगीत में राग वर्गीकरण के महत्व व उपयोगिता का अध्ययन। कराना।
4. विद्यार्थियों को भारतीय संगीत के इतिहास से परिचित कराना।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | .राग तत्व विवोध, संगीत मकरवंद, राग तरंगिनी ग्रन्थों का पूर्ण परिचय | 16 |
| यूनिट–2 | विभिन्न प्रकार के प्रबंधकों का विधिवत अध्ययन। प्रबंध, वस्तु, रूपक, ध्रुपद, धमार, ख्याल, ठुमरी, टप्पा, दादरा, तराना, चतुरंग, त्रिवट, होरी कजरी, गजल भजन कीर्तन | 14 |
| यूनिट–3 | .राग वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन | 14 |
| यूनिट–4 | प्राचीन काल से आधुनिक काल तक संगीत के इतिहास का विस्तृत अध्ययन | 16 |

# चतुर्थ सेमेस्टर– द्वितीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– घरानों का इतिहास

प्रश्न पत्र कोड– MUSM402 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को विभिन्न घरानों के बारे में जानकारी प्रदान करना एवं उनके उत्पत्ति तथा विकास के बारे में बताना।
2. गायन एवं वादन के विभिन्न घरानों का परिचय एवं तुलनात्मक अध्ययन ।
3. विभिन्न घरानों के गायकों एवं वादकों का सांगीतिक योगदान की जानकारी प्रदान करना।

4. रवीन्द्र संगीत का संक्षिप्त परिचय एवं शास्त्रीय संगीत पर उसके प्रभावों का वर्णन ।

| इकाई | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| यूनिट–1 | घराना, घराना का इतिहास | 16 |
| यूनिट–2 | .गायन एवं वादन के विविध घरानों का तुलनात्मक अध्ययन | 14 |
| यूनिट–3 | .विविध घरानों के गायक एवं वादकों का परिचय (किन्हीं तीन प्रतिनिधि गायक एवं वादक) | 14 |
| यूनिट–4 | रविन्द्र संगीत का संक्षिप्त परिचय। रविन्द्र संगीत पर शास्त्रीय संगीत का प्रभाव | 16 |

# चतुर्थ सेमेस्टर– तृतीय प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा–1–राग प्रस्तुतिकरण

प्रश्न पत्र कोड– MUSM403 अधिकतम अंक -100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय सेमेस्टर के सम्पूर्ण रागों के ज्ञान का पुनर्भ्यास कराना।
2. पाठ्यक्रम के रागों में विलम्बित एवं द्रुत ख्याल को आलाप एवं तानों के साथ गाने का अभ्यास कराना।
3. विद्यार्थियो को विभिन्न रागों में ध्रुपद एवं धमार का अभ्यास कराना।
4. पाठ्यक्रम में दिए गए तालों को ठाह, दुगुन, तिगुन, चौगुन एवं आड़ की लयकारियों में लिखने का अभ्यास कराना।

5. विद्यार्थियों को शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय रचनाओं का अभ्यास कराना।
6. विद्यार्थियों को किसी भी राग में चतुरंग एवं त्रिवट गाने का अभ्यास कराना।
7. पूर्व पाठ्यक्रम में दिए गए समस्त रागों एवं तालों का पुनर्अभ्यास कराना।

**विषय वस्तु–**

| क्रमांक | शीर्षक | व्याख्यान अवधि(60 घंटे) |
|---|---|---|
| 1 | .राग कलावती, राग गुर्जरी तोड़ी, राग देवनागरी विलाप, राग माखा में विलम्बित एंव द्रुत रन्थाल आलाप, तान सहित गाने बजाने का पूर्ण अभ्यास | |
| 2 | श्राग मटियार, खंभावती, यमनी वितावल, नायकी का बंदिश, आलाप तान सहित गाने का अभ्यास | |
| 3 | उपरोक्त किसी राग में ध्रुपद एवं धमार | |
| 4 | .आड़ा ताल, अद्धाताल व पंजाबी ताल का ठाह, दुगुंन, तिगुन, चौगुन तथा आड़ लयकारियों का अभ्यास | |
| 5 | .राग मिलोटी, तिलंग एवं राग काफी में उप शास्त्रीय रचनाएं | |
| 6 | .किसी भी राग में चतुरंग या तिरवट गाने का अभ्यास | |
| 7 | पूर्व के रागों व तालों का ज्ञान | |

# चतुर्थ सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा भाग–2–(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM404 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि के साथ उन्हें संगत में निपुण करना।
3. विद्यार्थियों के गायन कौशल में परिपूर्णता एवं वृद्धि कराना।
4. विद्यार्थियों में लय एवं लयकारियों की समझ विकसित कराना।
5. विद्यार्थियों को शास्त्रीय तथा उप शास्त्रीय शैलियों में पारंगत करना।
6. विद्यार्थियों में राग की समझ को विकसित कर गायकी का अभ्यास कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

# चतुर्थ सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM405 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान कर उन्हें पारंगत करना एवं अपने राग से संबंधित समस्त तकनीकी जानकारियों का अवबोध करना।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि करने के साथ साथ उन्हें राग में निपुण करना।
3. विद्याथी अपने राग के शास्त्रीय एवं क्रियात्मक पक्ष में दक्षता प्राप्त कर, पाठ्यक्रम के विषयवस्तु की समस्त जानकारी प्राप्त कर सकें।

# चतुर्थ सेमेस्टर– चतुर्थ प्रश्न पत्र

शीर्षक– प्रायोगिक परीक्षा भाग–2–(रागों का विश्लेषणात्मक अध्ययन एवं मौखिक ज्ञान)

प्रश्न पत्र कोड– MUSM404 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों के शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष के मौखिक ज्ञान को परिष्कृत कराना।
2. विद्यार्थियों के सांगीतिक कौशल में अभिवृद्धि के साथ उन्हें संगत में निपुण करना।
3. विद्यार्थियों के गायन कौशल में परिपूर्णता एवं वृद्धि कराना।
4. विद्यार्थियों में लय एवं लयकारियों की समझ विकसित कराना।
5. विद्यार्थियों को शास्त्रीय तथा उप शास्त्रीय शैलियों में पारंगत करना।
6. विद्यार्थियों में राग की समझ को विकसित कर गायकी का अभ्यास कराना।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों से प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा चतुर्थ सेमेस्टर के समस्त पाठ्यक्रम (शास्त्र एवं क्रियात्मक पक्ष) से संबंधित प्रश्न पूछे जायेंगें।

# चतुर्थ सेमेस्टर– पंचम प्रश्न पत्र

शीर्षक– मंच प्रदर्शन

प्रश्न पत्र कोड– MUSM405 अधिकतम अंक–100

## उदेदश्य–

1. विद्यार्थियों को मंच प्रदान कर उन्हें पारंगत करना एवं अपने राग से संबंधित समस्त तकनीकी जानकारियों का अवबोध करना।
2. विद्यार्थियों के मंचगत कौशल में अभिवृद्धि करने के साथ साथ उन्हें राग में निपुण करना।
3. विद्यार्थी अपने राग के शास्त्रीय एवं क्रियात्मक पक्ष में दक्षता प्राप्त कर, पाठ्यक्रम के विषयवस्तु की समस्त जानकारी प्राप्त कर सकें।

नोटः इस प्रश्न पत्र में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से संबंधित विषयवस्तु का प्रस्तुतिकरण देना होगा। विद्यार्थियों को सेमेस्टर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की जानकारी होना भी आवश्यक है।

## सन्दर्भ ग्रन्थ सूची–

## प्रायोगिक पुस्तकों का विवरणः

| ग्रन्थ / पुस्तक | ग्रन्थकार / लेखक |
|---|---|
| 1. अभिनव गीतांजलि भाग 1,2,3,4,5 | .पं0 रामाश्रय झा 'रामरंग' |
| 2. संगीताजलि भाग 1,2,3,4,5 | .पं0 ओकारनाथ ठाकुर |
| 3. क्रमिक पुस्तक मालिका भाग 3,4,5 | .पं. विष्णु नारायण भातखण्डे |
| 4. .राग विज्ञान भाग 1,2,3,4,5,6 | .विनायक राव पटवर्धन |
| 5. मधुर स्वरलिपि संग्रह भाग 3,4,5,6 | .प्रो0 हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव |

## संगीत शास्त्र से संबंधित पुस्तकों का विवरण–

| | |
|---|---|
| 1. भारतीय संगीत का इतिहास | ठाकुर जयदेव सिंह |
| 2. भारतीय संगीत शास्त्र–ग्रन्थ परम्परा : एक अध्ययन | ..प्रो0 लिपिका दास गुप्ता |
| 3. भारतीय संगीत का सौन्दर्य विधान | मधुरलता भटनागर |
| 4. नाट्यशास्त्र–खण्ड–एक, खण्ड–दो, खण्ड–तीन, खण्ड–चार | भरतमुनि, सम्पादक बाबू लाल शुक्ल, चौनम्मा |
| 5. भारतीय तालों का शास्त्रीय विवेचक | डॉ0 अरूण कुमार सेन |
| 6. भारतीय संगीत शास्त्र | तुलसी राम देवगन |
| 7. संगीत के घरानों की चर्चा | .सुशील कुमार चौबे |
| 8. सौन्दर्य शास्त्र के तत्व | कुमार विमल |
| 9. भारतीय संगीत एक वैज्ञानिक | स्वतंत्र बाला शर्मा |

| दृष्टिकोण | |
|---|---|
| 10. संगीत–विज्ञान एवं गणित | डॉ0 तेज सिंह टाक |
| 11. संगीत जिज्ञासा एवं समाधान | डॉ0 तेज सिंह टाक |
| 12. हिन्दुस्तानी संगीत शास्त्र | भागवतशरण शर्मा |
| 13. नाट्यशास्त्र का इतिहास | डॉ0 पारस नाथ द्विवेदी, प्रकाशक चौखम्बा सुरभारती |